समीक्षा बैठक प्रतिवेदन
डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र
एवं
डॉ. अम्बेडकर चेयर

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा - डॉ. वीरेंद्र कुमार

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही.

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी.

सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं.

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि माननीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया. विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि

मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है. विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है. नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे.

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार जी ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है. यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं. अपनी माटी से ही अपनी पहचान है. आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की. उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है. अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये. उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है. उन्होंने सागर सांसद रहते हुए अपने कई कार्यक्षेत्रों और जैसे राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में सागर को शामिल करना, सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने जैसे कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में संलग्नता को स्मरण किया. उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी. पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है. इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है. उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें. उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं. सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए. आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा. उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत निर्माण की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि जब तक योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक नहीं होगा तक तक समाज सशक्त नहीं हो सकता.

पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद लता वानखेड़े का शिक्षकों ने किया स्वागत

इस अवसर पर पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का विश्वविद्यालय के प्रो.वाय. एस. ठाकुर, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो अजीत जायसवाल, डॉ पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. कासव, डॉ. टेकाम, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. रानी दुबे, डॉ.रश्मि जैन, डॉ. विवेक जायसवाल आदि विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ एवं मालाओं से भव्य स्वागत किया.कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया और आभार ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया.

एनसीसी कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ़ ऑनर, गौर समाधि पर अतिथियों ने दी पुष्पांजलि

विश्वविद्यालय में डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अतिथियों के आगमन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया. सभी अतिथियों ने गौर समाधि स्थल पहुँचकर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर को पुष्प अर्पित कर नमन किया.

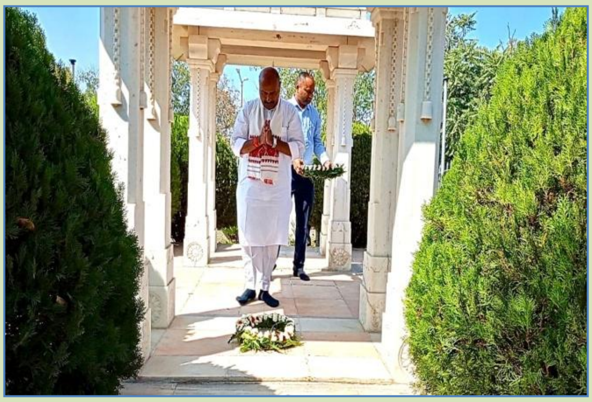

नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी.

गौर संग्रहालय का किया अवलोकन

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने गौर संग्रहालय का अवलोकन किया. प्रो. श्वेता यादव, प्रो. नवीन कानगो एवं डॉ. गौतम प्रसाद ने संग्रहालय के विभिन्न प्रभागों के बारे में जानकारी दी.

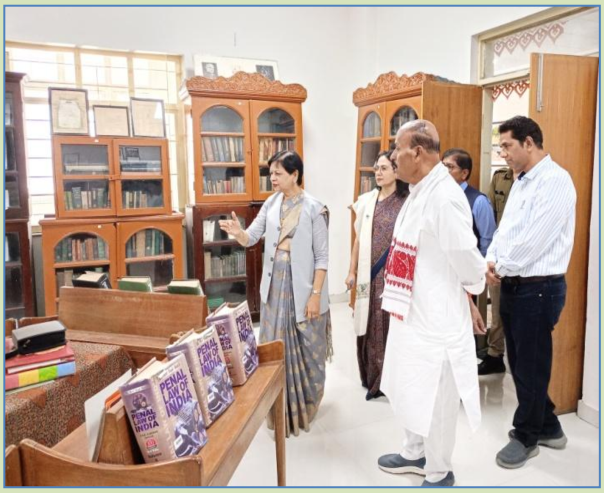

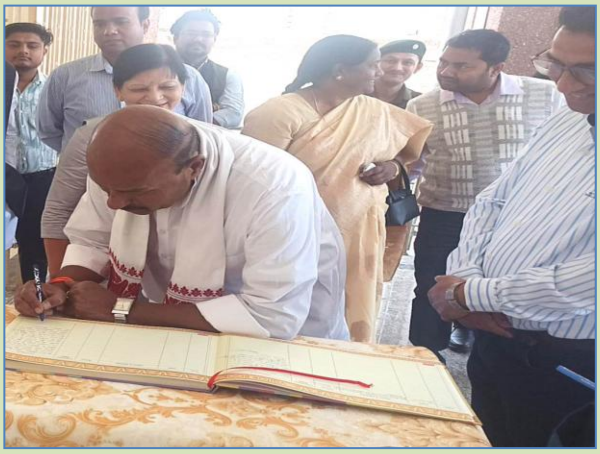

आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण से बनेगा विकसित भारत: डॉ. वीरेंद्र कुमार

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं की समीक्षा

भास्कर संवाददाता | सागर

कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री, सासंद सहित अन्य प्रतिनिधि।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार बैठक में शामिल हुए। सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े और कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता भी मौजूद रहीं।

मंत्री डॉ. कुमार ने कहा कि सागर और विश्वविद्यालय से उनका गहरा जुड़ाव है। उन्होंने युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने और देश के विकास में योगदान देने की अपील की। नशामुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गांवों को चिन्हित करने को कहा, जहां जागरूकता की जरूरत है।

उन्होंने सागर सांसद रहते हुए किए गए कार्यों को याद किया। राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, सागर को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में जोड़ना और विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय का दर्जा दिलाने जैसे कार्यों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सागर में कभी पानी की भारी कमी थी। जल संरक्षण पर ध्यान देना जरूरी है। उन्होंने विश्वविद्यालय में डॉ. गौर संग्रहालय को और विकसित करने का सुझाव दिया। कहा कि संग्रहालय अतीत और भविष्य को जोड़ता है। इसे भव्य रूप दिया जाए। उन्होंने मंत्रालय की योजनाओं की जानकारी दी। कहा कि आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत निर्माण के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका अहम है। योजनाओं का सफल क्रियान्वयन जरूरी है, तभी समाज सशक्त होगा।

यूजीसी नेट कोचिंग स्कीम फिर से शुरू हो : बैठक में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने केंद्र की उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अंबेडकर चेयर की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डीके नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान पर रिपोर्ट पेश की। सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए व्यापक स्तर पर काम करने की जरूरत है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता बढ़ाकर ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि केंद्रीय मंत्री डॉ. कुमार का विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है। मंत्रालय के सहयोग से डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र और डॉ. अंबेडकर चेयर की स्थापना हुई। छात्रावासों का निर्माण पूरा हुआ। विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना समेत कई प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं। उन्होंने यूजीसी नेट कोचिंग स्कीम फिर से शुरू कराने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री और सांसद का प्रो. वायएस ठाकुर, प्रो. डीके नेमा, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार समेत शिक्षकों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान किया। संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी आभार कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना।

एनसीसी कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर, गौर समाधि पर पुष्पांजलि : केंद्रीय मंत्री और अतिथियों के आने पर एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सभी अतिथियों ने गौर समाधि स्थल पहुंचकर डॉ. गौर को पुष्प अर्पित कर नमन किया। विश्वविद्यालय के छात्रों ने नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। केंद्रीय मंत्री, कुलपति और अन्य अतिथियों ने गौर संग्रहालय का निरीक्षण किया।

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगाः वीरेंद्र कुमार

सागर, देशबन्धु। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विवि के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया। इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान नई दिल्ली उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सांसद लता वानखेड़े एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही। बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की। प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डीके नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये विवि के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। लता वानखेड़े ने विवि की गतिविधियों की सराहना करते हुये कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिये बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्री वीरेन्द्र सिंह का बुंदेलखंड और इस विवि से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है। विवि ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा। कुलपति ने विशेष आग्रह करते हुये कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाये ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके। मंत्री वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विवि में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है। यहां आने पर अतीत की स्मृतियां ताजा हो जाती हैं। अपनी माटी से ही अपनी पहचान है। आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है। उन्होंने विवि की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने विवि में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुये कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिये इसे भव्य रूप में बनाये और विकसित करें। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं। सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिये। आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। इस अवसर पर पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री वीरेंद्र कुमार एवं सांसद लता वानखेड़े का प्रो. वायएस ठाकुर, प्रो. डीके नेमा, प्रो. अजीत जायसवाल, डॉ. पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, डॉ. विवेक जायसवाल आदि विवि के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ एवं मालाओं से स्वागत किया। विवि में वीरेंद्र कुमार, कुलपति एवं अतिथियों के आगमन पर विवि के एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सभी अतिथियों ने गौर समाधि स्थल पहुंचकर विवि के संस्थापक डॉ. गौर को पुष्प अर्पित कर नमन किया।

पत्रिका {माय सिटी}
MY CITY

डॉ. हरिसिंह गौर विवि के अभिमंच सभागार में समीक्षा बैठक का आयोजन

विवि में अतीत की स्मृतियां ताजा हो जाती हैं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देश अनुसार संचालित योजनाओं के समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को किया। बैठक में मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है। यहां आने पर अतीत की स्मृतियां ताजा हो जाती हैं। अपनी माटी से ही अपनी पहचान है। उन्होंने कहा कि आपके भीतर बहुतऊर्जा और क्षमता है। अपनी प्रतिभा को निखारिए और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिए। सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वाहन कर रहा है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है। मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अंबेडकर चेयर जैसे दो केंद्रों को शुरू किया व छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया। समीक्षा बैठक में डॉ. अंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अंबेडकर चेयर के कार्यक्रमों की जानकारी दी। छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डीके नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी व आभार कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय माना। छात्र-छात्राओं ने नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रमः डॉ. गौर विवि की योजनाओं की समीक्षा की केन्द्रीय मंत्री ने

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा : डॉ. वीरेंद्र कुमार

आचरण संवाददाता

सागर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही. समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी. सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया. विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है. विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है. नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे. कद्रीय मंत्री ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है. यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं. अपनी माटी से ही अपनी पहचान है. आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की. उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है. अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये. उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है. उन्होंने सागर सांसद रहते हुए अपने कई कार्यक्षेत्रों और जैसे राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में सागर को शामिल करना, सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने जैसे कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में संलग्नता को स्मरण किया. उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी. पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है. इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है. उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें. उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं. सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए. आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा. उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत निर्माण की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि जब तक योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक नहीं होगा तक तक समाज सशक्त नहीं हो सकता.

पुरा छात्र डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद लता वानखेड़े का शिक्षकों ने किया स्वागत

इस अवसर पर पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का विश्वविद्यालय के प्रो.वाय. एस. ठाकुर, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो अजीत जायसवाल, डॉ पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. कासव, डॉ. टेकाम, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. रानी दुबे, डॉ.रश्मि जैन, डॉ. विवेक जायसवाल आदि विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ एवं मालाओं से भव्य स्वागत किया. कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया और आभार ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया. एनसीसी कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ़ ऑनर, गौर समाधि पर अतिथियों ने दी पुष्पांजलि विश्वविद्यालय में डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अतिथियों के आगमन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया. सभी अतिथियों ने गौर समाधि स्थल पहुँचकर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर को पुष्प अर्पित कर नमन किया. वश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी.

नवभारत
07
भोपाल, रविवार 23 फरवरी, 2025

आर्थिक–सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा : केंद्रीय मंत्री डॉ कुमार

नवभारत न्यूज

सागर 22 फरवरी. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि युवाओं के भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है. अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये. नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है.

उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी. पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है. इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है. उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें. उन्होंने कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं. सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए. आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा.

कार्यक्रम को विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं सांसद डॉ लता वानखेड़े ने संबोधित किया. संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी और आभार कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने माना. कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने गौर संग्रहालय का अवलोकन किया. प्रो. श्वेता यादव, प्रो. नवीन कानगो एवं डॉ. गौतम प्रसाद ने संग्रहालय के विभिन्न प्रभागों के बारे में जानकारी दी.

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा: डॉ. वीरेंद्र कुमार

सागर(एसबीन्यूज)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही।

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की

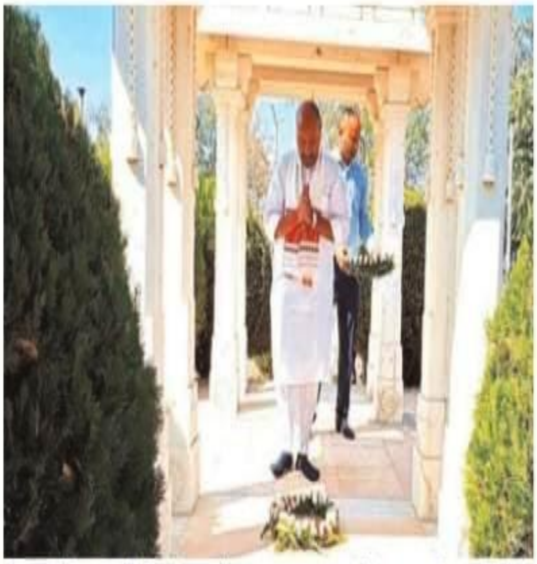

विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी। सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि माननीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह जी का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया. विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा। इस अवसर पर पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का विश्वविद्यालय के प्रो.वाय. एस. ठाकुर, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो अजीत जायसवाल, डॉ पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. कासव, डॉ. टेकाम, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. रानी दुबे, डॉ.रश्मि जैन, डॉ. विवेक जायसवाल आदि विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ एवं मालाओं से भव्य स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया और आभार ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन

आर्थिक, सामाजिक सशक्तीकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा : डॉ. वीरेंद्र कुमार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया। इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार,नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही।

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की। प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है। मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया। विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है। यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं। अपनी माटी से ही अपनी पहचान है। आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की। युवाओं को संबोधित करते कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है। प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये. उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी। पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है। इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं। सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए। आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत निर्माण की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि जब तक योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक नहीं होगा तक तक समाज सशक्त नहीं हो सकता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में संचालित योजनाओं की समीक्षा

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा : डॉ. वीरेंद्र कुमार

स्वदेश संवाददाता ■ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया। इस समीक्षा बैठक में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेन्द्र कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही।

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की। प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं। इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि माननीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है। मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया। विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है।

विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है. नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे.

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है। यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं. अपनी माटी से ही अपनी पहचान है। आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है। अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। उन्होंने सागर सांसद रहते हुए अपने कई कार्यक्षेत्रों और जैसे राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में सागर को शामिल करना, सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने जैसे कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में संलग्नता को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी. पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है. इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें।

आर्थिक, सामाजिक सशक्तीकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा

नवदुनिया प्रतिनिधि, सागर: डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शासन द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन अभिमंच सभागार में किया गया। समीक्षा बैठक में सामाजिक न्याय और अधिकारिता के केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डा. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही। समीक्षा बैठक में डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी। प्रो. राजेश गौतम ने डा. आंबेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डीके नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और विवि द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सागर सांसद डा. लता वानखेड़े ने कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है। उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं।

कैबिनेट मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार गौर संग्रहालय का अवलोकन करते हुए। • नवदुनिया

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार का बुंदेलखंड और इस विवि से विशेष लगाव है, जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है। मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डा. आंबेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डा. आंबेडकर चेयर जैसे दो केंद्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया। विवि ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं, जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट के लिए कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए। केंद्रीय मंत्री डा. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विवि में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है। यहां आने पर अतीत की स्मृतियां ताजा हो जाती हैं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है। इस अवसर पर मंत्री व सांसद का विवि के प्रो. वायएस ठाकुर, प्रो. डीके नेमा, प्रो अजीत जायसवाल, डा. पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. यूके पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. कासव, डा. टेकाम, डा. संजय शर्मा, डा. रानी दुबे, डा. रश्मि जैन, डा. विवेक जायसवाल आदि शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी ने स्वागत किया।

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा - डॉ. वीरेंद्र कुमार

परिहार गर्जना न्यूज। सागर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही.

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी.

सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया. विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है.

विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है. नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे.

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा: डॉ. वीरेंद्र कुमार

सागर दिनकर

सागर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया। इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही।

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी। इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी।

सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है। जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया। विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं। जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है।

विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है। नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे।

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है। यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं। अपनी माटी से ही अपनी पहचान है। आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है। उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है। अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। उन्होंने सागर सांसद रहते हुए अपने कई कार्यक्षेत्रों और जैसे राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में सागर को शामिल करना, सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने जैसे कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में संलग्नता को स्मरण किया। उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी। पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है। इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है। इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें। उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं। सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए। आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत निर्माण की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि जब तक योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक नहीं होगा तक तक समाज सशक्त नहीं हो सकता।

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा : डॉ. वीरेंद्र कुमार

दबंग बुन्देलखण्ड

सागर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही.

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी. सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं. इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि माननीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह जी का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया. विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है. विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है. नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे. केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार जी ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है. यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं. अपनी माटी से ही अपनी पहचान है. आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की. उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है. अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये. उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है. उन्होंने सागर सांसद रहते हुए अपने कई कार्यक्षेत्रों और जैसे राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में सागर को शामिल करना, सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने जैसे कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में संलग्नता को स्मरण किया. उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी. पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है. इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है. उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें. उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं. सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए. आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा. उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत निर्माण की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि जब तक योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक नहीं होगा तक तक समाज सशक्त नहीं हो सकता.

पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद लता वानखेड़े का शिक्षकों ने किया स्वागत

इस अवसर पर पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का विश्वविद्यालय के प्रो.वाय. एस. ठाकुर, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो अजीत जायसवाल, डॉ पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. कासव, डॉ. टेकाम, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. रानी दुबे, डॉ.रश्मि जैन, डॉ. विवेक जायसवाल आदि विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ एवं मालाओं से भव्य स्वागत किया.कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया और आभार ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया.

एनसीसी कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ ऑनर, गौर समाधि पर अतिथियों ने दी पुष्पांजलि

विश्वविद्यालय में डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अतिथियों के आगमन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया. सभी अतिथियों ने गौर समाधि स्थल पहुँचकर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर को पुष्प अर्पित कर नमन किया।

नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी.

गौर संग्रहालय का किया अवलोकन

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने गौर संग्रहालय का अवलोकन किया. प्रो. श्वेता यादव, प्रो. नवीन कानगो एवं डॉ. गौतम प्रसाद ने संग्रहालय के विभिन्न प्रभागों के बारे में जानकारी दी।

सागर

नवसिन्धु समाचार

● अंक ३६० ● पृष्ठ ०४ ● मूल्य - २ रूपए ● www.navshindhusamachar.in

गौर संग्रहालय का किया अवलोकन

आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा - डॉ. वीरेंद्र कुमार

नवसिन्धु समाचार सागर. सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर म.प्र. में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय के अभिमंच सभागार में आयोजित किया गया. इस समीक्षा बैठक में डॉ. वीरेन्द्र कुमार जी, माननीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली एवं अध्यक्ष, डॉ. अम्बेडकर प्रतिष्ठान, नई दिल्ली उपस्थित रहे. कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति रही.

समीक्षा बैठक में डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र की समन्वयक प्रो. चंदा ने स्वागत वक्तव्य देते हुए केंद्र की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की. प्रो. राजेश गौतम ने डॉ. अम्बेडकर चेयर द्वारा की जा रही गतिविधियों एवं उल्लेखनीय कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी. इसी क्रम में छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. डी.के. नेमा ने नशा मुक्त भारत अभियान का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियों एवं जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी दी.

सागर सांसद डॉ. लता वानखेड़े ने विश्वविद्यालय की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की योजनाओं एवं विभिन्न गतिविधियों के संचालन में आगे बढ़कर अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहा है. उन्होंने कहा कि नशा जैसी कुरीतियों को दूर करने के लिए बहुत व्यापक स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है. ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में इस कुरीति को दूर करके ही हम विकसित भारत के निर्माण में सहयोग कर सकते हैं.

इस अवसर पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि माननीय मंत्री डॉ. वीरेन्द्र सिंह जी का बुंदेलखंड और इस विश्वविद्यालय से विशेष लगाव है जिसके कारण हमें सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय से लगातार सहयोग मिल रहा है. मंत्रालय के सहयोग से ही हमने डॉ. अम्बेडकर उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. अम्बेडकर चेयर जैसे दो केन्द्रों को शुरू किया तथा छात्रावासों के निर्माण कार्य को पूरा किया. विश्वविद्यालय ने बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना एवं अन्य कई योजनाओं के तहत विभिन्न प्रस्ताव मंत्रालय को भेजे हैं जिनमें पूरा सहयोग हमें प्राप्त होगा. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विशेष आग्रह करते हुए कहा कि मंत्रालय द्वारा यूजीसी नेट हेतु कोचिंग की स्कीम को फिर से शुरू की जाए ताकि इस अंचल के विद्यार्थियों को नेट परीक्षा में ज्यादा से ज्यादा सफलता मिल सके और साथ ही शोध पाठ्यक्रमों में उनका अधिक संख्या में प्रवेश हो सके क्योंकि अब पी-एचडी पाठ्यक्रमों में प्रवेश नेट परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रारम्भ हो गया है.
विश्वविद्यालय समाज के सभी वंचित वर्गों के उत्थान के लिए लगातार कार्य कर रहा है. नशा मुक्त भारत और विकसित भारत की दिशा में ठोस ढंग से कार्य कर रहा है और हम मंत्रालय और सांसद महोदया के सहयोग से और आगे बढ़कर विकसित भारत की दिशा में योगदान कर पायेंगे.

केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार जी ने कहा कि मुझे सागर शहर और इस विश्वविद्यालय में आना सबसे ज्यादा सुकून देता है. यहाँ आने पर अतीत की स्मृतियाँ ताजा हो जाती हैं. अपनी माटी से ही अपनी पहचान है. आत्मीयता की अनुभूति सबसे अधिक अपनी मिट्टी और अपनी धरती पर ही होती है. उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति और उपलब्धियों की सराहना की. उन्होंने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है. अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये. उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गावों और क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है. उन्होंने सागर सांसद रहते हुए अपने कई कार्यक्षेत्रों और जैसे राजघाट परियोजना, लाखा बंजारा झील को राष्ट्रीय संवर्धन योजना में शामिल कराना, राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना में सागर को शामिल करना, सागर विश्वविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय के रूप में अपग्रेड करने जैसे कई महत्त्वपूर्ण कार्यों में संलग्नता को स्मरण किया. उन्होंने कहा कि सागर में एक समय पानी की बहुत कमी थी. पानी के मूल्य को समझना हम सबका कर्तव्य है. इससे वर्तमान एवं भविष्य दोनों जुड़ा है. उन्होंने विश्वविद्यालय में स्थापित डॉ. गौर संग्रहालय को विकसित करने हेतु सुझाव देते हुए कहा कि संग्रहालय अतीत से भविष्य को जोड़ता है इसलिए इसे भव्य रूप में बनाएं और विकसित करें. उन्होंने सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की कई योजनाओं की चर्चा की और कहा कि मंत्रालय की विभिन्न योजनायें कई आयामों पर कार्य करती हैं. सभी को इससे परिचित और जागरूक होना चाहिए. आर्थिक, सामाजिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त होगा. उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत निर्माण की संकल्पना को साकार करने में युवाओं की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताया और कहा कि जब तक योजनाओं का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक नहीं होगा तक तक समाज सशक्त नहीं हो सकता.

पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद लता वानखेड़े का शिक्षकों ने किया स्वागत

इस अवसर पर पुरा छात्र केन्द्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार एवं सांसद डॉ. लता वानखेड़े का विश्वविद्यालय के प्रो.वाय. एस. ठाकुर, प्रो. डी. के. नेमा, प्रो अजीत जायसवाल, डॉ पंकज तिवारी, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. अशोक अहिरवार, प्रो. राजेन्द्र यादव, प्रो. कालीनाथ झा, प्रो. यू. के. पाटिल, प्रो. उत्सव आनंद, प्रो. कासव, डॉ. टेकाम, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. रानी दुबे, डॉ.रश्मि जैन, डॉ. विवेक जायसवाल आदि विश्वविद्यालय के शिक्षक, अधिकारी, शोधार्थी एवं कर्मचारियों ने पुष्प गुच्छ एवं मालाओं से भव्य स्वागत किया.
कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चोइथरानी ने किया और आभार ज्ञापन कुलसचिव डॉ. सत्यप्रकाश उपाध्याय ने किया.

एनसीसी कैडेट्स ने दिया गार्ड ऑफ़ ऑनर, गौर समाधि पर अतिथियों ने दी पुष्पांजलि

विश्वविद्यालय में डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अतिथियों के आगमन पर विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया. सभी अतिथियों ने गौर समाधि स्थल पहुँचकर विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. गौर को पुष्प अर्पित कर नमन किया.

नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति

विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा नशा मुक्त भारत पर आधारित नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति दी.

गौर संग्रहालय का किया अवलोकन

कैबिनेट मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं अन्य अतिथियों ने गौर संग्रहालय का अवलोकन किया. प्रो. श्वेता यादव, प्रो. नवीन कानगो एवं डॉ. गौतम प्रसाद ने संग्रहालय के विभिन्न प्रभागों के बारे में जानकारी दी.

UNI BREVITY ACCURACY SPEED
यूनीवार्ता
भारत की अग्रणी संवाद समिति

Saturday, Feb 22 2025 | Time 20:11 Hrs(IST)

Menu ☰ Type your keyword लॉगिन

राज्य »

मध्य प्रदेश / छत्तीसगढ़

Posted at: Feb 22 2025 5:49PM

आर्थिक सशक्तिकरण से ही विकसित भारत का मार्ग होगा प्रशस्त-वीरेंद्र

सागर 22 फरवरी (वार्ता) मध्यप्रदेश के सागर में केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि युवाओं के भीतर बहुत ऊर्जा और क्षमता है, अपनी प्रतिभा को निखारिये और देश के काम में स्वयं को संलग्न कीजिये। श्री कुमार यहां डॉक्टर हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में संचालित योजनाओं की समीक्षा कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत अभियान को और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे गांवो, क्षेत्रों को चिन्हित कीजिये जहां जागरूकता और विकास की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। **विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।**